मानव संसाधन विकास मंत्रालय में (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) और (ख) प्रारंभिक शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने के लिए विकेन्द्रीकृत आयोजना की कार्यनीति को कार्यरूप प्रदान करने के लिए जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम नामक एक नई पहल शुरू की गई है। प्रारंभ में मध्य प्रदेश के 19 जिलों सहित 7 राज्यों में यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम को राज्य स्तरीय स्वायत्त पंजीकृत सोसायटी के जरिए चलाया जा रहा है तथा मध्य प्रदेश में इस सोसायटी को नाम दिया गया है- राजीव गांधी प्राथमिक शिक्षा मिशन। इस सोसायटी की एक महा परिषद् है जिसके अध्यक्ष मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री हैं तथा एक कार्यकारिणी समिति है जिसके अध्यक्ष मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव हैं। सोसायटी के उप-नियमों में महा-परिषद् तथा कार्यकारिणी समिति दोनों में ही शिक्षाविदों, गैर सरकारी संगठनों, महिलाओं और केन्द्र तथा राज्य सरकार के प्रतिनिधियों की नियुक्ति का प्रावधान है।

(ग) इन जिलों की पहचान जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के दोहरे मानदण्ड के आधार पर की गई है जो इस प्रकार है:—(क) राष्ट्रीय औसत से कम महिला साक्षरता दर वाले शैक्षिक रूप से पिछड़े जिले, और / या (ख) ऐसे जिले जहां संपूर्ण साक्षरता अभियानों से प्रारंभिक शिक्षा के लिए मांग में बढ़ोत्तरी करने में सफलता हासिल हुई है।

(घ) अभी तक मध्य प्रदेश के और जिलों में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम का विस्तार करने का प्रस्ताव नहीं है। यदि भविष्य में इसमें कोई विस्तार होगा तो वह जिन जिलों में यह कार्यक्रम पहले से शुरू किया गया है उनमें इसकी सफलता पर निर्भर करेगा।

Rewriting of history

7217. SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government has accepted the recommendations of the NCERT Review Committee on the communal rewriting of history in Uttar Pradesh, Rajasthan and Madh-ya Pradesh; and

(b) if so, what is the present status of the implementation of these recommendations?

, THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION. AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUMARI SHELJA): (a) and (b) The National Steering Committee on school textbook evaluation with its secretariat in the NCERT reviewed the school textbooks of Uttar Pradesh in 1992.

As per information received from the Committee's secretariat, the Commitee recommended the withdrawal of two History textbooks and two Mathematics text baoks which were prescribed for ciasses IX and X. This recommendation was based On the identification of material which was found to be objectionable in various lessons of these textbooks.

The withdrawal of these textbooks was recommended to the Government of Uttar Pradesh. As per information received from the State Government, they decided to withdraw the History textbooks and to exclude the object-tionable material from the Mathe-matics books listed below The text book in which objectionable lesson were discovered are;

1. High School Ithihas-Bhag-I
2. High school Ithihas-Bhag-II
3. High School Ganit-Bhag-I
4. High School Ganit-Bhag-II

The National Steering Committee has made no specific recommendations in respect of the school textbooks of Madhya Pradesh and Rajas^ than.